खेल को लेकर मेरी समझ काफी मजबूत है और मैंने अपनी तकनीक में सुधार के लिये काफी मेहनत की है। एक प्रारूप को समझना भी बहुत महत्वपूर्ण है। मैं एकदिवसीय प्रारूप की जरूरतों को समझता हूं और इससे मुझे बहुत मदद मिली है। - **शिखर धवन**

भारतीय क्रिकेटर, अपने खेल को लेकर।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी — **सेरेना विलियम्स**

अमेरिका की शीर्ष लॉन टेनिस खिलाड़ी और 23 बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन सेरेना विलियम्स ने मंगलवार को अपने सन्यास का अंदेशा देते हुए कहा कि ''उलटी गिनती'' शुरू हो गयी है। विलियम्स ने कहा, ''जिन्दगी में एक ऐसा समय आता है जब हमें एक अलग दिशा में बढ़ने का फैसला करना होता है। वह समय हमेशा कठिन होता है जब आप किसी चीज से इतना प्यार करते हैं। मत पूछिये मैं टेनिस का कितना आनंद लेती हूं, लेकिन अब उलटी गिनती शुरू हो गई है। मुझे एक माँ होने पर, अपने आध्यात्मिक लक्ष्यों पर और अंत में एक अलग, लेकिन सिर्फ रोमांचक सेरेना की खोज पर ध्यान केंद्रित करना है।

क्या आप जानते हैं ?... भारत की ओं से दो गेंदबाजों को वनडे में हैट्रिक बनाने का श्रेय हासिल है। चेतन शर्मा ने 1997 में न्यूजीलैंड में तथा कपिल देव ने (1991) में श्रीलंका के विरुद्ध यह उपलब्धि हासिल की।

भारतीय महिलाओं ने रचा इतिहास, ओपन सेक्शन में पुरुषों ने भी जीता कांस्य पदक

शतरंज ओलंपियाड

मामल्लापुरम (तमिलनाडु), 9 अगस्त वार्ता भारतीय महिला टीम ने यहां आयोजित 44वें शतरंज ओलंपियाड में देश के लिए पहला पदक जीतकर इतिहास रच दिया। पुरुषों ने भी हालांकि तमिलनाडु के मामल्लापुरम में हुई इस प्रतिष्ठित वैश्विक प्रतियोगिता में मंगलवार को अपना अब तक का दूसरा कांस्य पदक जीता।

कोनेरू हम्पी, आर. वैशाली, तानिया सचदेव और भक्ति कुलकर्णी से सजी भारत-ए टीम ने फाइनल राउंड के मैच में अमेरिका से मिली 1-3 की हार के बाद महिला वर्ग में कांस्य पदक हासिल किया। इस मुकाबले में एक भी भारतीय खिलाड़ी को जीत नहीं मिली। हम्पी और वैशाली ने जहां अपने मैच ड्रॉ किए वहीं तानिया सचदेव और भक्ति कुलकर्णी को हार का सामना करना पड़ा।

भारत-ए टीम के कोच अभिजीत कुंटे ने टीम की प्रशंसा करते हुए कहा, ''टीम ने पिछले तीन या चार महीनों में वास्तव में कड़ी मेहनत की है और यह ओलंपियाड के इतिहास में भारत का पहला पदक है। इसे एक शुरुआत मानी जानी चाहिए। भारत में महिलाओं की शतरंज के लिए बहुत बेहतर दिन आने वाले हैं।'' पहला महिला ओलंपियाड 1957 में आयोजित किया गया था। 1976 से महिलाओं और ओपन वर्गों को एक साथ आयोजित किया गया है।

वहीं, ओपन वर्ग में पूरे आयोजन में अपने शानदार प्रदर्शन से सभी को प्रभावित करने वाली युवा भारत-बी टीम ने जर्मनी को 3-1 से हराकर देश को दूसरा कांस्य पदक दिलाया। इंडिया-बी में डी. गुकेश शुरुआत से आगे थे। उन्होंने 9/11 का शानदार स्कोर बनाया। निहाल सरीन ने 7.5/10 का शानदार स्कोर किया। प्रज्ञानंदा ने 6.5/9 के साथ अच्छा स्कोर किया और रौनक साधवानी ने भी 5.5/8 का मूल्यवान स्कोर किया।

कुल 11 मुकाबले खेलने के बाद 9 अंक हासिल करने वाले गुकेश ने कहा, ''कुल मिलाकर, यह एक बहुत ही सुखद अनुभव रहा है। मुझे उम्मीद नहीं थी कि हम इतना अच्छा प्रदर्शन कर सकेंगे लेकिन यह और बेहतर हो सकता था। अगर मैं कल (सोमवार को) अपना मैच जीत जाता या ड्रा करा लेता, तो हमारे पास स्वर्ण पदक जीतने का एक बड़ा मौका हो सकता था। लेकिन ये चीजें होती रहती हैं। मैच के तुरंत बाद मैं काफी परेशान हो गया था और हमारे गुरु (विश्वनाथन) आनंद ने मुझे यह कहकर बेहतर स्थिति में रखा कि ये चीजें खेल में होती रहती हैं और कई मौकों पर हार के लिए भी तैयार करना चाहिए। भारत ने इससे पहले 2014 में ओपन सेक्शन में कांस्य पदक जीता था। अब उसके खाते में दूसरा पदक आया है।

टीम इवेंट्स में पदकों के अलावा व्यक्तिगत प्रदर्शनों के आधार पर भी भारतीय खिलाड़ियों ने कई पदक जीते। भारतीयों ने दो स्वर्ण, एक रजत और चार कांस्य सहित कुल सात पदक जीते। गुकेश और सरीन क्रमशः: शीर्ष और दूसरे बोर्ड पर जबकि अर्जुन इरिगैसी ने तीसरे बोर्ड में रजत पदक हासिल किया। इसके अलावा आर प्रज्ञानंदा (तीसरा बोर्ड), आर. वैशाली (तीसरा बोर्ड), तानिया सचदेव (तीसरा बोर्ड) और दिव्या देशमुख (रिजर्व बोर्ड) ने व्यक्तिगत कांस्य पदक जीते। भारत ने प्रतिष्ठित गैप्रिंडाशविली कप भी जीता। यह ओपन और महिला दोनों वर्गों में बेहतरीन सामूहिक प्रदर्शन करने वाले देश को दिया जाता है। भारत के लिए यह वैसे भी ऐतिहासिक क्षण था क्योंकि उसने पहली बार दुनिया के इस सबसे बड़े शतरंज टूर्नामेंट की मेजबानी की।

44वें शतरंज ओलंपियाड में उज्बेकिस्तान और यूक्रेन क्रमशः: ओपन और महिला वर्ग में चैंपियन बनकर उभरे। उज्बेकिस्तान की युवा टीम, जिसे, 14वीं वरीयता मिली थी, 12वीं वरीयता प्राप्त अर्मेनिया के साथ शीर्ष स्थान पर बराबरी पर रही लेकिन बेहतर टाई-ब्रेक पर वह स्वर्ण पदक जीतने में सफल रही। अर्मेनिया को रजत से संतोष करना पड़ा। दोनों टीमों ने 19-19 अंक जुटाए। इंडिया-बी का अभियान 18 अंकों के साथ समाप्त हुआ।

इस इवेंट कुछ अप्रत्याशित परिणाम दिए। जहां शीर्ष -10 में स्थान बनाने वाली टीमों को कोई पदक नहीं मिला। भारत-ए टीम ने भी अच्छा प्रदर्शन किया बावजूद इसके वह बहुत कम अंतर से पदक से चूक गई। भारतीय टीम चौथे स्थान पर रही। भारत-ए ने अमेरिका को 2-2 से बराबरी पर रोक लिया। ईरीगैसी ने जीत हासिल की जबकि हरिकृष्णा और विदित गुजराती को ड्रॉ पर रोक दिया गया। एसएल नारायणन ने अपना मैच गंवा दिया। महिलाओं के वर्ग में यूक्रेन ने एक स्वर्ण पदक जीता और जॉर्जिया ने टाई-ब्रेक के बाद रजत पदक जीता। प्रत्येक टीम के खाते में 18 आए। भारत-ए, अमेरिका और कजाकिस्तान तीसरे स्थान पर रहे, लेकिन कांस्य के लिए भारत-ए ने इन दोनों को पीछे छोड़ दिया।

11वीं वरीयता प्राप्त भारत-बी ने भी अच्छा प्रदर्शन करते हुए 16 अंकों के साथ 8वां स्थान हासिल किया जबकि भारत-सी 15 अंकों के साथ 17वें स्थान पर रहा। उज्बेकिस्तान के खिलाड़ियों ने अपने देश को स्वर्ण पदक मिलने पर प्रसन्नता व्यक्त की। उसके लिए दोहरी खुशी की बात यह रही कि फिडे कांग्रेस में 2026 ओलंपियाड की मेजबानी उज्बेकिस्तान को ही दी है।

श्रृंखला जीतना अहम नहीं, टीम के रूप में बेहतर होना हमारी प्राथमिकता : रोहित

'मुझे नहीं पता कि आगे क्या होगा, लेकिन मेरे लिए एक टीम के रूप में हर दिन बेहतर होना ही हमारा लक्ष्य है। शृंखला जीतना और हारना मायने नहीं रखता, बल्की एक टीम के रूप में बेहतर होना हमारी प्राथमिकता है। टीम जो कुछ भी करने की कोशिश कर रही है, खिलाड़ियों को उस विचार प्रक्रिया में हिस्सा लेने और उस दिशा में काम करने की आवश्यकता है।'

मुंबई, 9 अगस्त। भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने टी20 अंतरराष्ट्रीय में भारत के हालिया बदलाव पर मंगलवार को कहा कि टीम का लक्ष्य हर दिन सुधार करना है। गौरतलब है कि पिछले वर्ष आयोजित हुए टी20 विश्व कप 2020 में भारत को ग्रुप स्टेज में बाहर होने के बाद आलोचना का सामना करना पड़ा था। खेल के सबसे छोटे प्रारूप में भारतीय टीम की धीमी बल्लेबाजी पर कई सवाल उठे थे, लेकिन इंग्लैंड और वेस्ट इंडीज के खिलाफ पिछली दो शृंखलाओं में भारत ने बदले हुए रवैये के साथ बल्लेबाजी की है।

कप्तान रोहित ने स्टार स्पोर्ट्स के कार्यक्रम फॉलो द ब्लूज़ पर बात करते हुए कहा, ''मुझे नहीं पता कि आगे क्या होगा, लेकिन मेरे लिए एक टीम के रूप में हर दिन बेहतर होना ही हमारा लक्ष्य है। शृंखला जीतना और हारना मायने नहीं रखता, बल्की एक टीम के रूप में बेहतर होना हमारी प्राथमिकता है। टीम जो कुछ भी करने की कोशिश कर रही है, खिलाड़ियों को उस विचार प्रक्रिया में हिस्सा लेने और उस दिशा में काम करने की आवश्यकता है।''

उन्होंने कहा, ''हमने दुबई में टी20 विश्व कप के बाद यह स्पष्ट कर दिया है कि जब हम (सेमीफाइनल के लिए) क्वालीफाई नहीं कर पाए थे। हमने महसूस किया कि खेल को खेलने के तरीके के प्रति हमारे दृष्टिकोण में बदलाव की जरूरत है। हमने लड़कों को एक स्पष्ट संदेश दिया था और वे उस चुनौती को स्वीकार करने के लिए तैयार थे। साथ ही, हमें यह याद रखने की जरूरत है कि जब आप नयी चीजें करने की कोशिश कर रहे हैं, तो कुछ असफलताएं होंगी। इसका मतलब यह नहीं है कि तुम एक कदम पीछे हटो।''

पिछले साल टी20 विश्व कप के बाद से भारत अपनी टीम के साथ प्रयोग करने से नहीं कतरा रहा है। चोट और कार्यभार प्रबंधन ने हालांकि इसमें एक भूमिका निभाई है, रोहित ने स्पष्ट किया कि वह एक मजबूत बेंच बनाना चाहते हैं जिसे आवश्यकता पड़ने पर जिम्मेदारी निभाने के लिए बुलाया जा सके। रोहित ने कहा, ''हम काफी क्रिकेट खेलते हैं, इसलिए चोट और कार्यभार प्रबंधन होगा, इसलिए हमें खिलाड़ियों की अदला-बदली करनी होगी। यह हमारी बेंच को खेल खेलने की ताकत देता है। यही वजह है कि हम ऐसे कई लोगों को आजमा सकते हैं जो अंतरराष्ट्रीय मंच पर प्रदर्शन करने के लिए तैयार हैं।''

भारत को टी20 विश्व कप की समाप्ति के बाद एक नये कप्तान के अलावा राहुल द्रविड़ के रूप में एक नया कोच भी मिला है। नये कप्तान और कोच के बीच का रिश्ता रोहित के वनडे डेब्यू जितना पुराना है, जब द्रविड़ भारतीय टीम के कप्तान थे।

पदक विजेताओं को पुरस्कार स्वरूप करोड़ों देकर प्रोत्साहित करेगी सरकार

चंडीगढ़, 9 अगस्त। हरियाणा के खेल एवं युवा कार्यक्रम मंत्री संदीप सिंह ने कहा है कि राष्ट्रमंडल खेलों में देश का प्रतिनिधित्व कर रहे सभी खिलाड़ियों ने बेहतरीन प्रदर्शन किया है। विभिन्न खेल स्पर्धाओं में भारतीय खिलाड़ियों ने 61 मेडल जीतकर देश की झोली में डाले। सिंह ने मंगलवार को यहां कहा कि इन खेलों में हरियाणा के खिलाड़ियों ने भी हर बार की तरह अपना वर्चस्व कायम रखा। कुल मेडल में से लगभग 33 प्रतिशत भागीदारी हरियाणा के खिलाड़ियों की रही। प्रदेश के 43 खिलाड़ियों के दल ने राष्ट्रमंडल खेलों में हिस्सा लिया, जिनमें महिला हॉकी टीम में 18 में से आठ खिलाड़ी हरियाणा की रही। उन्होंने कहा कि राज्य के खिलाड़ियों ने 20 मेडल देश को दिलवाए जिसमें से नौ गोल्ड, चार सिल्वर और सात कांस्य पदक हैं। पहलवान बजरंग पुनिया, साक्षी मलिक, दीपक पुनिया, विनेश फोगाट, रवि दहिया, पैरा पावर लिफ्टिंग खिलाड़ी सुधीर, बॉक्सर अमित पंघाल, नवीन कुमार और नीतू घनघस ने गोल्ड मेडल हासिल किया, जबकि सिल्वर मेडल के रूप में अंशु मलिक और सागर अहलावत सहित दो व्यक्तिगत और दो टीम गेम मेडल हमारे खिलाड़ियों ने देश को दिलाए। खेल मंत्री ने कहा कि इसका पूरा श्रेय हमारे खिलाड़ियों की मेहनत उनके अभिभावकों के परिश्रम, त्याग तथा मुख्यमंत्री मनोहर लाल की खेल प्रेम नीति को जाता है, जिसकी बदौलत हरियाणा केवल भारत ही नहीं, बल्कि विश्व में खेल हब के रूप में उभर कर सामने आया है। हरियाणा का हर अभिभावक अपने बच्चों को खेलों में अग्रसर होने के लिए प्रेरित कर रहा है। पुत्रियों को अब बोझ नहीं, मेडल जीतने वाली के रूप में जाना जाता है। संदीप ने कहा कि सरकार की खेल नीति के तहत स्वर्ण पदक विजेता को 1.50 करोड़ रुपए, रजत पदक विजेता को 75 लाख रुपये तथा कांस्य पदक विजेता को 50 लाख रुपये का पुरस्कार देकर प्रोत्साहित किया जाएगा। जल्द ही खिलाड़ियों के सम्मान में कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

शमी को एशिया कप की टीम में होना चाहिये था : श्रीकांत

'मेरी टीम में शमी शामिल थे। अगर मैं चयनकर्ता समिति का अध्यक्ष होता तो शमी टीम में होते, और शायद रवि बिश्नोई नहीं होते। मेरा यह भी मानना है कि अक्षर पटेल टीम में जगह पाने के मजबूत दावेदार थे। अक्षर पटेल और अश्विन के बीच चुनना मुश्किल होता।'

कोलकाता, 9 अगस्त। भारतीय टीम के पूर्व कप्तान और चयनकर्ता समिति के पूर्व चेयरमैन कृष्णमचारी श्रीकांत ने एशिया कप 2022 के लिये भारतीय टीम की घोषणा के बाद कहा है कि तेज़ गेंदबाज़ मोहम्मद शमी को टीम में शामिल किया जाना चाहिये था।

श्रीकांत ने स्टार स्पोर्ट्स के शो फॉलो द ब्लूज़ पर सोमवार को कहा, मेरी टीम में शमी शामिल थे। अगर मैं चयनकर्ता समिति का अध्यक्ष होता तो शमी टीम में होते, और शायद रवि बिश्नोई नहीं होते। मेरा यह भी मानना है कि अक्षर पटेल टीम में जगह पाने के मजबूत दावेदार थे। उन्होंने कहा, ''मेरा खयाल है कि टीम अच्छी है, लेकिन एक और मीडियम पेसर को इसमें होना चाहिये था। हम टूर्नामेंट में एक मीडियम पेसर की कमी के साथ जा रहे हैं। दो कलाई के स्पिनर काफी हैं। मुझे अक्षर पटेल के लिये बुरा लग रहा है जो टीम का हिस्सा नहीं बन पाए। मुझे दीपक हुड्डा के लिये खुशी है, वह गेंदबाजी कर सकते हैं, अच्छे बल्लेबाज हैं और तेज भी खेलते हैं।''

श्रीकांत ने कहा, मुझे दीपक हुड्डा के बारे में जो बात पसंद है वह यह है कि वह गेंद के अच्छे स्ट्राइकर हैं। अन्यथा यह टीम एक शानदार टीम है, केवल अक्षर पटेल के लिए बुरा लगता है। मुझे अब भी विश्वास है कि वह ऑस्ट्रेलिया की परिस्थितियों में एक अच्छा गेंदबाजी ऑलराउंडर हो सकता है। मैं सिर्फ एशिया कप के बारे में नहीं सोच रहा, यह टीम आईसीसी टी20 विश्व कप का भी ब्लू प्रिंट होना चाहिए। टीम के चयन पर विचार करते हुए पूर्व विकेट कीपर और मुख्य चयनकर्ता किरन मोरे ने कहा, ''एशिया कप निश्चित रूप से विराट कोहली के लिए खास होगा क्योंकि उन्हें अब वापसी करने की जरूरत है। अन्य बल्लेबाज भी वास्तव में अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। कुल मिलाकर, टीम अच्छी और संतुलित दिखती है। टीम में अच्छे ऑलराउंडर भी हैं। रविचंद्रन अश्विन अच्छी बल्लेबाजी कर रहे हैं। निश्चित रूप से अक्षर पटेल भी पूरे साल अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं।''

''मुझे टीम संयोजन पसंद है और मैं रवि बिश्नोई के चयन से वास्तव में खुश था। इससे टीम में बदलाव आया। मेरे हिसाब से यह एक अच्छी टीम है। मैं अर्शदीप सिंह के लिए भी खुश हूं। उन्होंने आईपीएल के बाज वेस्टइंडीज के खिलाफ भी अच्छा प्रदर्शन किया, जहां वह प्लेयर ऑफ द सीरीज थे। हम बाएं हाथ के गेंदबाज की तलाश में थे, जो हमें अर्शदीप सिंह में मिला है।''

इंग्लैंड की कोच लीजा कीटली ने की पद छोड़ने की घोषणा

लंदन, 9 अगस्त। इंग्लैंड महिला क्रिकेट टीम की हेड कोच लीज़ा कीटली ने इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) से मंगलवार को कहा कि वह इस सत्र के बाद अपने पद से इस्तीफा दे देंगी और कॉन्ट्रैक्ट का विस्तार नहीं करेंगी।

इंग्लैंड अब दक्षिण अफ्रीका में 2023 टी20 विश्व कप से छह महीने पहले नए कोच की भर्ती शुरू करेगा। इंग्लिश टीम के साथ कीटली का आखिरी अभियान भारत के खिलाफ 10 सितंबर से शुरू होने वाली सीमित ओवर की घरेलू श्रृंखला होगी।

पूर्व ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी कीटली ने 2019 के अंत में हीथर नाइट की अगुवाई वाली टीम की कमान संभाली, और इंग्लैंड को 2022 एकदिवसीय विश्व कप के फाइनल के साथ-साथ 2020 टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल तक पहुंचाया। बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेल 2022 में इंग्लैंड कांस्य पदक मैच में न्यूजीलैंड से हार गयी।

इंग्लैंड महिला क्रिकेट के निदेशक जोनथन फिंच ने कहा, ''हम पिछले ढाई वर्षों में लीजा की प्रतिबद्धता और जुनून के लिए अविश्वसनीय रूप से आभारी हैं। हमने पिछले 12 महीनों में स्थानों के लिए प्रतिस्पर्धा में वृद्धि देखी है। लीज़ा जो टीम छोड़कर जा रही हैं वो युवाओं और अनुभव का एक रोमांचक मिश्रण है।

उन्होंने कहा, ''एक अंतरराष्ट्रीय टीम का नेतृत्व करना अच्छे समय में भी चुनौतीपूर्ण होता है। यह एक महामारी के दौरान अधिक चुनौतीपूर्ण होता है, और लीज़ा सबसे कठिन अवधि में टीम के विकास को जारी रखने में सक्षम रही हैं।

नीरज ने अरशद नदीम को राष्ट्रमंडल स्वर्ण के लिये बधाई दी

नयी दिल्ली, 9 अगस्त। टोक्यो 2020 ओलंपिक के गोल्ड मेडलिस्ट नीरज चोपड़ा ने पाकिस्तान के भालाफेंक खिलाड़ी अरशद नदीम को राष्ट्रमंडल खेल 2022 में स्वर्ण पदक जीतने पर बधाई दी है। नदीम ने बर्मिंघम 2022 के फाइनल में 90 मीटर के निशान को पार करते हुए दो बार के विश्व चैंपियन ग्रेनाडा के एंडरसन पीटर्स को मात दी, उन्होंने सोमवार को इंस्टाग्राम पर अपने प्रदर्शन से एक वीडियो साझा किया और चोपड़ा ने उसपर तुरंत अपनी प्रतिक्रिया देते हुए उन्हें बधाई दी। चोपड़ा ने नदीम के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा, ''अरशद भाई को स्वर्ण पदक और नए गेम रिकॉर्ड के साथ 90 मीटर पार करने के लिए बधाई। आगे की प्रतियोगिताओं के लिए शुभकामनाएं।''

2024 तक चेन्नईयिन एफसी में रहेंगे रहीम अली

चेन्नई, 9 अगस्त। इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) की फ्रेंचाइज़ी चेन्नईयिन एफसी ने मंगलवार को घोषणा की कि रहीम अली ने अपने कॉन्ट्रैक्ट को बढ़ा लिया है, जिसके बाद वह 2024 तक क्लब का हिस्सा रहेंगे। अली चेन्नईयिन टीम के उन मुट्ठी भर सदस्यों में से एक हैं जो 2019-20 सीज़न में आईएसएल फाइनल में पहुंचे थे। उन्होंने तीन वर्षों में 40 बार क्लब का प्रतिनिधित्व किया है और चार बार स्कोर करने के अलावा दो बार असिस्ट भी किया है।

उन्होंने दो और वर्षों के लिए क्लब के लिए प्रतिबद्ध होने पर कहा, ''मैं चेन्नईयिन एफसी के साथ एक नए अनुबंध पर हस्ताक्षर करके बहुत खुश हूं। मेरे मन में कभी कोई संदेह नहीं था। मैं कहीं नहीं जा रहा हूं।'' रहीम ने 31 बार आई-लीग क्लब इंडियन एरो एफसी का प्रतिनिधित्व भी किया है, जिसे बड़े पैमाने पर भारत की सबसे बड़ी युवा प्रतिभाओं का घर माना जाता है।

22 वर्षीय रहीम भारतीय टीम के वर्तमान सदस्य हैं और सितंबर 2021 में पदार्पण के बाद से छह बार मैदान पर उतर चुके हैं। चेन्नईयिन की सह-मालिक वीटा दानी ने कहा, ''बीते वर्षों में रहीम देश की सबसे रोमांचक युवा प्रतिभाओं में से एक बनकर उभरे हैं। भारतीय राष्ट्रीय टीम के साथ उनका मूल्यवान अनुभव हमारी टीम के लिए सकारात्मक साबित होगा।''

बर्मिंघम में पदक जीतने पर कार्तिक ने की दीपिका की तारीफ

नयी दिल्ली, 9 अगस्त। भारत की स्टार स्क्वाश खिलाड़ी दीपिका पल्लीकल के राष्ट्रमंडल खेल 2022 में कांस्य पदक जीतने पर उनके पति और भारत के विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक ने खुशी व्यक्त की है। गौरतलब है कि पल्लीकल और सौरव घोषल की मिश्रित युगल जोड़ी ने कांस्य पदक मैच में ऑस्ट्रेलिया के कैमरन पील और लोबान डोना को 11-8, 11-4 से मात दी थी। कार्तिक ने सोमवार को ट्विटर पर पल्लीकल और घोषाल की तस्वीर साझा करते हुए कहा, ''प्रयास और दृढ़ता रंग लाई... बहुत खुशी और आप दोनों पर गर्व है!'' कांस्य पदक जीतने के बाद, पल्लीकल ने खुद पिछले तीन वर्षों से अपनी यात्रा के बारे में इंस्टाग्राम पर पोस्ट लिखी।

सड़क दुर्घटना में पूर्व अंपायर रूडी कर्ट्ज़न का निधन

केप टाउन, 9 अगस्त। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व आईसीसी एलीट पैनल अंपायर रूडी कर्ट्ज़न का केप टाउन में एक सड़क दुर्घटना में निधन हो गया है। ईएसपीएन क्रिक इन्फो के अनुसार, जब यह सड़क दुर्घटना हुई तब 73 वर्षीय कर्ट्ज़न एक कार में केपटाउन से ईस्टर्न केप प्रांत में अपने घर जा रहे थे। कर्ट्ज़न ने 2010 में सन्यास लेने से पहले 331 मैचों में अंपायर की भूमिका निभाई, जो उस समय एक रिकॉर्ड था।

वह 100 से ज्यादा मैचों में अंपायरिंग करने वाले तीन अंपायरों में से एक हैं। इनके अलावा पाकिस्तान के अलीम दार और वेस्ट इंडीज़ के स्टीव बकनर भी ऐसा कर चुके हैं। दार ने कर्टज़न की मौत के बारे में कहा, ''यह उनके परिवार, दक्षिण अफ्रीका और क्रिकेट के लिए सबसे बड़ी क्षित है। मैं उनके साथ इतने सारे मैचों में खड़ा था। वह न केवल एक अंपायर के रूप में बहुत अच्छे थे, बल्कि एक उत्कृष्ट सहयोगी भी थे। हमेशा मैदान पर बहुत सहयोगी और हमेशा मैदान के बाहर मदद करने के लिए तैयार रहते थे।

मनीषा, सुनील बने 2021-22 के फुटबॉलर ऑफ द ईयर

नयी दिल्ली, 9 अगस्त। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने मनीषा कल्याण को साल 2021-22 का महिला फुटबॉलर ऑफ द ईयर चुना है, जबकि पुरुष फुटबॉलर ऑफ द ईयर का खिताब सुनील छेत्री को मिला है। दोनों दिग्गजों को उनके संबंधित राष्ट्रीय टीम के कोच थॉमस डेनर्बी और इगोर स्टिमैक द्वारा विजेताओं के रूप में नामित किया गया था।

मनीषा ने पिछले सत्र में उभरती हुई महिला फुटबॉलर (वुमेन्स एमर्जिंग फुटबॉलर ऑफ द ईयर) का पुरस्कार जीता था जबकि सुनील को सातवीं बार फुटबॉलर ऑफ द ईयर के पुरस्कार से सम्मानित किया जा रहा है।

महिला राष्ट्रीय टीम के कोच थॉमस डेनर्बी ने कहा, ''मनीषा ने राष्ट्रीय टीम और अपने क्लब के लिए कुछ उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। उसने गोल किये हैं, और नियमित रूप से असिस्ट भी किये हैं। उत्कृष्ट गति और एक अच्छी ड्रिब्लर होने के कारण वह भविष्य में बड़ी लीगों में खेलने की क्षमता रखती है। वह युवा है और अभी भी तैयार हो रही है लेकिन नियमित आधार पर हमारी सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी रही है।''

सुनील के बारे में बोलते हुए, पुरुषों की राष्ट्रीय टीम के मुख्य कोच इगोर स्टिमैक ने कहा, सुनील सैफ कप में पांच गोल करके हमारे सर्वोच्च गोल करने वाले खिलाड़ी और प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट भी थे। इसके अलावा, उन्होंने कोलकाता में एएफसी एशियन कप क्वालीफायर के तीसरे दौर में तीन मैचों में चार गोल किए।''

उन्होंने कहा, ''उनकी प्रतिबद्धता, नेतृत्व, अनुशासन और कड़ी मेहनत बुरे और अच्छे समय में प्रभावशाली थी।'' इसके अलावा मार्टिना थॉकचोम को उभरती हुई महिला खिलाड़ी और विक्रम प्रताप सिंह को 2021-22 का उभरता हुआ पुरुष खिलाड़ी चुना गया है।

ट्वंटी-20 रैंकिंग में शीर्ष 10 में लौटी जेमिमाह

दुबई, 9 अगस्त। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की युवा खिलाड़ी जेमिमाह रॉड्रिगेज़ ने राष्ट्रमंडल खेल 2022 में शानदार प्रदर्शन के बाद आईसीसी महिला टी20 रैंकिंग के शीर्ष 10 बल्लेबाजों में जगह बना ली है। आईसीसी की ओर से मंगलवार को जारी ताजा रैंकिंग के अनुसार रॉड्रिगेज़ सात पायदान ऊपर उठकर 630 पॉइंट के साथ 10वें स्थान पर आ गयी हैं।

उन्होंने बर्मिंघम 2022 में भारत के लिये 146 रन बनाये, जिसकी बदौलत वह अक्टूबर 2021 के बाद पहली बार शीर्ष 10 में जगह बना पाई हैं। स्मृति मंधाना (चौथा पायदान) और शेफाली वर्मा (छठा पायदान) पहले से ही टी20 बल्लेबाजों के शीर्ष 10 में कायम हैं। इसी बीच, ऑस्ट्रेलिया की बेथ मूनी अपनी हमवतन मेग लेनिंग को पछाड़कर पहले पायदान पर आ गयी हैं। मूनी ने राष्ट्रमंडल खेल के फाइनल में भारत के खिलाफ 41 गेंदों पर 61 रन की पारी खेली थी। इसके अलावा उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ 70 रन और न्यूज़ीलैंड के खिलाफ 36 रन का योगदान भी दिया था, जिसने उन्हें 743 रेटिंग के साथ पहले पायदान पर पहुंचा दिया है।

यूरोपीय दौरा ऊंच-नीच भरा रहा, पर इससे कुछ सीखा : सविता

यह काफी लंबा दौरा था, इसमें उतार-चढ़ाव थे लेकिन इसने हमें बहुत कुछ सिखाया। हमने अपने डेब्यू एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2021/22 अभियान में तीसरे स्थान पर रहते हुए दौरे की मजबूत शुरुआत की और फिर विश्व कप के दौरान खराब दौर से गुजरे। नौवें स्थान पर रहना निराशाजनक था, लेकिन बर्मिंघम 2022 राष्ट्रमंडल खेलों पर ध्यान केंद्रित करने के लिये इससे आगे बढ़ना और सकारात्मक सीख लेना भी उतना ही महत्वपूर्ण था।

नयी दिल्ली, 9 अगस्त। यूरोपीय दौरे पर दो महीने बिताने के बाद राष्ट्रमंडल खेलों से ऐतिहासिक कांस्य पदक जीतकर स्वदेश लौटी भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान सविता पूनिया ने मंगलवार को कहा कि यह दौरा ''ऊंच-नीच भरा रहा और इससे उन्हें बहुत कुछ सीखने को मिला।''

गौरतलब है कि सविता पूनिया की टीम ने जून में बेल्जियम और नीदरलैंड में एफआईएच हॉकी प्रो लीग मैचों से अपने यूरोपीय दौरे की शुरुआत की थी, जहां वे तीसरे स्थान पर रहे थे। इसके बाद टीम ने नीदरलैंड और स्पेन में हुए एफआईएच महिला विश्व कप में हिस्सा लिया जहां वे नौवें पायदान पर रहे। अंततः:, भारत ने विश्व कप के खराब प्रदर्शन से वापसी करते हुए बर्मिंघम 2022 खेलों में कांस्य पदक जीता।

कप्तान सविता ने कहा, ''यह काफी लंबा दौरा था, इसमें उतार-चढ़ाव थे लेकिन इसने हमें बहुत कुछ सिखाया। हमने अपने डेब्यू एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2021/22 अभियान में तीसरे स्थान पर रहते हुए दौरे की मजबूत शुरुआत की और फिर विश्व कप के दौरान खराब दौर से गुजरे। नौवें स्थान पर रहना निराशाजनक था, लेकिन बर्मिंघम 2022 राष्ट्रमंडल खेलों पर ध्यान केंद्रित करने के लिये इससे आगे बढ़ना और सकारात्मक सीख लेना भी उतना ही महत्वपूर्ण था।'' उन्होंने कहा, ''उसके बाद हम नॉटिंघम में एक छोटे तैयारी शिविर में शामिल हुए थे, जहां हमने अपने प्रदर्शन का आत्मनिरीक्षण किया और अपनी गलतियों पर काम किया। हम ताज़ा विचारों के साथ आए और बर्मिंघम में एक समय में एक मैच पर ध्यान दिया। मुझे लगता है कि टीम की एकता ने भी हमें वापस लाने में मदद की। हमारे द्वारा साझा किए गए बंधन ने हमें टीम में सकारात्मक माहौल बनाए रखने में मदद की। इसने हमें वर्तमान क्षण पर ध्यान केंद्रित करने और हमारे सामने आने वाली चुनौतियों से उबरने में मदद की।''

भारतीय टीम ने अपने राष्ट्रमंडल खेलों के अभियान की शुरुआत क्रमशः घाना (5-0) और वेल्स (3-1) के खिलाफ लगातार जीत के साथ की, लेकिन अपने तीसरे मैच में इंग्लैंड से 1-3 से हार गई। उन्होंने पूल ए में दूसरे स्थान पर रहने के लिए अपने चौथे मैच में कनाडा के खिलाफ 3-2 से जीत दर्ज की। भारतीय टीम ने सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एक ठोस प्रदर्शन किया, लेकिन शूटआउट की करीबी हार के कारण उस चुनौती को पार नहीं कर सका।

इसके बावजूद भारतीय टीम ने हौसला नहीं हारा और रविवार को ऐतिहासिक कांस्य पदक जीतने के लिए न्यूजीलैंड को शूटआउट में 2-1 से मात दी। सविता ने इस मैच में तीन शानदार गोल रोके और भारत को 16 साल बाद राष्ट्रमंडल पदक दिलाया। कांस्य पदक जीतने के बारे में गोलकीपर सविता ने कहा, ''हमने जो हासिल किया है उस पर हमें खुशी और गर्व है, और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि हमने इसे कैसे हासिल किया है। सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हार को स्वीकार करना मुश्किल था।

हमने अपना मनोबल हारा था, लेकिन यह हमारी कोच जेनेके शोपमैन थीं जिन्होंने हमें प्रेरित किया और हमें एहसास दिलाया कि हमारे पास अभी भी एक पदक के साथ घर लौटने का अवसर है। उन्होंने कहा, ''यह हमारे लिए सिर्फ एक पदक नहीं है, यह एक प्रेरणा है। युवा पीढ़ी भी इससे प्रेरित होगी। हमारे अभियान के दौरान विश्व कप और साथ ही साथ राष्ट्रमंडल खेलों में हमारे प्रशंसकों ने जो समर्थन और प्यार दिया उसके लिए हम आभारी हैं।''

सुदेवा की जीत में छेत्री की तिकड़ी

नयी दिल्ली, 9 अगस्त। युवा खिलाड़ियों से सजे सुदेवा दिल्ली एफसी ने रॉयल रेंजर्स को 5-3 से परास्त कर दिल्ली प्रीमियर लीग में एक बार फिर से अपना शीर्ष स्थान अर्जित कर लिया। मैच का आकर्षण रमेश छेत्री की शानदार तिकड़ी रही।आज यहां अंबेडकर स्टेडियम पर खेले गए दिन के दूसरे मुक़ाबले में तरुण संघा और हिं